मातृभूमि (सोहनलाल द्विवेदी)

कविता का सारांश

इस कविता को हिन्दी के प्रसिद्ध कवियों में से एक सोहनलाल द्विवेदी जी ने लिखा है। उन्होंने अपनी लेखनी से अंग्रेज़ों का विरोध किया है क्योंकि उस समय अंग्रेज़ों का भारत पर आधिपत्य था। उनकी लेखनी का सबसे प्रिय विषय 'देशभक्ति' था। भारत के गौरव का गान करना उन्हें बहुत प्रिय था। कवि ने अपनी मातृभूमि की प्रशंसा की है और बताया है कि यहाँ हिमालय आकाश को चूमता प्रतीत होता है। गंगा, यमुना जैसी नदियाँ हैं। यह पुण्य भूमि, स्वर्ण भूमि है। पहाड़ों के मध्य से अनेक झरने प्रवाहित होते हैं। यह वह भूमि है जहाँ श्री कृष्ण की वंशी सुनाई देती है। यह युद्ध और युद्ध भूमि ही उनकी मातृभूमि है।

शब्दार्थ

- **नित** – प्रतिदिन रोज,
- **पग – पग** – थोड़ी – थोड़ी दूरी
- **अनेक** – एक से अधिक
- **मलय** – सफेद चंदन का वृक्ष पवन वायु
- **पुनीत** – पवित्र,
- **सुयश** – सुंदर यश,सुकीर्ति, ख्याति।

काव्याशों की व्याख्या

काव्यांश – 1

ऊँचा खड़ा हिमालय
आकाश चूमता है.
नीचे चरण तले झुक
नित सिंधु झूमता है।

गंगा यमुन त्रिवेणी
नदियाँ लहर रही हैं.
जगमग छटा निराली,
पग पग छहर रही हैं।

वह पुण्य – भूमि मेरी,
वह स्वर्ण – भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी
वह मातृभूमि मेरी।

सन्दर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्य पुस्तक मल्हार में 'मातृभूमि' कविता से अवतरित हैं, जिसके रचयिता सोहनलाल द्विवेदी हैं।

प्रसंग – भारत की भूमि के सौन्दर्य का वर्णन किया गया है।

व्याख्या – कवि बताता है कि यहाँ पर (भारत में) हिमालय काफ़ी विशाल हैं जो आकाश को चूमते नज़र आते हैं। हिन्द महासागर भारत माँ के चरणों का स्पर्श करते हैं जिससे भारत की भूमि के सौभाग्य में वृद्धि होती है। यहाँ पर गंगा-यमुना नदियाँ भी प्रवाहित होती है।। सभी जगह इसकी छटा निराली है जो पग-पग को सुशोभित कर रही है। भारत की भूमि पुण्य है, इसलिए स्वर्ण भूमि है। यह भूमि कवि की जन्मभूमि और मातृभूमि है।

काव्यांश – 2

झरने अनेक झरते
जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं,
हो मस्त झाड़ियों में।

अमराइयाँ घनी है
बहती मलय पवन है,
वह धर्मभूमि मेरी
वह कर्मभूमि मेरी।

वह जन्मभूमि मेरी
वह मातृभूमि मेरी।
कोयल पुकारती है,
तन – मन सँवारती है।

Goyal Archive

सन्दर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्य पुस्तक मल्हार में 'मातृभूमि' कविता से अवतरित हैं. जिसके रचयिता सोहनलाल द्विवेदी हैं।

प्रसंग – कवि ने पंक्तियों में भारत की प्रकृति का मनोहरी वर्णन किया है।

व्याख्या – कवि बताता है कि यहाँ पर (भारत में) अनेक झरने झरते हैं। यह झरने ऊँची – ऊँची पहाड़ियों से प्रवाहित होते हैं। चिड़ियाँ झाड़ियों में चहक रही हैं। अमराइयाँ अर्थात् आम के वृक्ष घने हैं जहाँ कोयल के – के करती हैं। यहाँ तन – मन को सँवारने वाली मलय पवन बहती है। यहीं रहकर कवि ने अपना धर्म निभाया है, इसलिए यह धर्मभूमि है। यहीं रहकर कवि ने अच्छी – अच्छी कविताओं का सुजन किया है, इसलिए यह कर्मभूमि है। यही कवि की जन्मभूमि और मातृभूमि है।

काव्यांश – 3

जन्मे जहाँ थे रघुपति
जन्मी जहाँ थी सोता
श्रीकृष्ण ने सुनाई,
वंशी पुनीत गीता।

गौतम ने जन्म लेकर,
जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई,
जग को दिया दिखाया।

वह युद्ध – भूमि मेरी
वह बुद्ध – भूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी,
वह जन्म भूमि मेरी।

सन्दर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्य पुस्तक मल्हार में 'मातृभूमि' कविता से अवतरित हैं. जिसके रचयिता सोहनलाल द्विवेदी है।

प्रसंग – कवि ने बताया है कि यहाँ अनेक महापुरुषों का जन्म हुआ है।

व्याख्या – कवि बताता है कि भारत की भूमि पर रघुपति अर्थात् श्री राम का जन्म हुआ है और यहाँ पर सीता माता का भी जन्म हुआ है। श्रीकृष्ण ने भी अपनी वंशी का पुनीत स्वर सभी को सुनाया है। इस भूमि पर गौतम बुद्ध ने जन्म लेकर इस भूमि पर सुयश बढ़ाया है। गौतम बुद्ध ने संसार को दया का भाव सिखाया है और संसार को दिया भी दिखाया है। यह कवि की युद्ध भूमि है। यहाँ पर महाभारत का युद्ध हुआ है। यह कवि की बुद्ध भूमि इसलिए है क्योंकि यहाँ गौतम बुद्ध का जन्म हुआ है। यही कवि की मातृभूमि और जन्मभूमि है।

प्रश्न-उत्तर
पाठ से

1. (क) दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन – सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।

(1) हिन्द महासागर के लिए कविता में कौन – सा शब्द आया है?

- चरण
- वंशी
- हिमालय
- सिंधु

उत्तर – सिंधु (☆)

(2) मातृभूमि कविता में मुख्य रूप से –

- भारत की प्रशंसा की गई है।
- भारत के महापुरुषों की जय की गई है।
- भारत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना
- भारतवासियों की वीरता का बखान किया

उत्तर – भारत की प्रशंसा की गई है। (☆)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने ?

उत्तर – हमने ये उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इसमें भारत की मातृभूमि का वर्णन कवि ने किया है।

मिलकर करें मिलान

(क) पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए।

शब्द	अर्थ या सन्दर्भ
1. हिमालय	1. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक।
2. त्रिवेणी	2. वसुदेव के पुत्र वासुदेव ।
3. मलय पवन	3. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ।
4. सिंधु	4. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम।
5. गंगा – यमुना	5. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र।
6. रघुपति	6. दक्षिणी भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु।
7. श्रीकृष्ण	7. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता' इसमें वे प्रश्न – उत्तर और संवाद है जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे।
8. सीता	8. समुद्र, एक नदी का नाम।
9. गीता	9. जनक की पुत्री जानकी।
10. गौतम बुद्ध	10. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत – माला।

उत्तर –

शब्द	अर्थ या सन्दर्भ
1. हिमालय	10. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत – माला।
2. त्रिवेणी	4. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम।
3. मलय पवन	6. दक्षिणी भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु।
4. सिंधु	8. समुद्र, एक नदी का नाम।
5. गंगा – यमुना	3. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ।
6. रघुपति	5. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र।
7. श्रीकृष्ण	2. वसुदेव के पुत्र वासुदेव ।
8. सीता	9. जनक की पुत्री जानकी।
9. गीता	7. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता' इसमें वे प्रश्न – उत्तर और संवाद है जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे।
10. गौतम बुद्ध	1. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक।

egyanadhive

पंक्तियों पर चर्चा

(क) "वह युद्ध भूमि मेरी वह बुद्ध – भूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी वह जन्मभूमि मेरी।" आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया?

उत्तर – यह भारत देश की भूमि कवि की युद्ध भूमि है। यही कवि की मातृभूमि और जन्मभूमि है। यह बुद्ध भूमि इसलिए है क्योंकि यहाँ पर अनेक विद्वानों का जन्म हुआ है। गौतम बुद्ध का जन्म भी भारत की भूमि पर ही हुआ है।

सोच – विचार के लिए

(क) कविता को पुनः पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

1. कोयल कहाँ रहती है?

उत्तर – कोयल आम के बाग में रहती है।

2. तन – मन कौन सँवारती है?

उत्तर – मलय पवन तन – मन सँवारती है।

3. झरने कहाँ से झरते हैं?

उत्तर – झरने पहाड़ियों से झरते हैं।

4. श्रीकृष्ण ने क्या सुनाया था?

उत्तर – श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश सुनाया था।

5. गौतम ने किसका यश बढ़ाया ?

उत्तर – गौतम ने भारत देश का यश बढ़ाया।

(ख) पग- पग छटा छहर रही है।
नदियों का पानी लहर रहा है। कविता पढ़कर पता प्रश्नों के उत्तर का पता लगाइए और लिखिए –

1. कहाँ – कहाँ छटा छहर रही हैं?

उत्तर – पग पग छहर रही हैं।

2. किसका पानी लहर रहा है?

उत्तर – नदियों का पानी लहर रहा है।

egyanarchive

कविता की रचना

"गंगा यमुन त्रिवेणी
नदियाँ लहर रही हैं" यदि आप कविता को थोड़ा और ध्यान से पढ़ेंगे तो आपको और भी बहुत – सी विशेषताएँ पता चलेंगी। आपको जो विशेष बातें दिखाई दें उन्हें लिखिए।

उत्तर – यहाँ नदियाँ लहर रही है। गंगा यमुना जैसी नदियाँ प्रवाहित होती हैं। यहाँ अनेक झरने झरते हैं। चिड़ियाँ भी चहकती हैं। मलय पवन तन – मन को संवारती है। इस कविता का शीर्षक मातृभूमि है। मिलान

मिलान

स्तम्भ 1 और स्तम्भ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलते – जुलते भाव वाली पंक्तियों को रेखा खींचकर जोड़िए –

स्तम्भ – 1	स्तम्भ – 2
1. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।	1. यहाँ आम के घने उद्यान है जिनमें कोयल आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।
2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।	2. मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।
3. अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है।	3. वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है कि पक्षी पेड़ – पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।

उत्तर –

स्तम्भ – 1	स्तम्भ – 2
1. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।	2. मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।
2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।	3. वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है कि पक्षी पेड़ – पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।
3. अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है।	1. यहाँ आम के घने उद्यान है जिनमें कोयल आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।

अनुमान या कल्पना से

काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

(क) **"अमराइयाँ घनी हैं**
कोयल पुकारती है" कोयल क्यों पुकार रही होगी? किसे पुकार रही होगी? गौसे पुकार रही होगी?

उत्तर – कोयल आस – पास के लोगों को आकर्षित करने के लिए पुकार रही होगी। कोयल कूँ- कूँ पुकार रही होगी। कोयल भी स्वतंत्र भारत देश के साथ स्वतन्त्र हुई है।

(ख) **"बहती मलय पवन है,**
तन मन सँवारती है" पवन किसका तन मन सँवारती है? वह यह कैसे करती है?

उत्तर – पवन देशवासियों का तन मन सँवारती है। उस पवन में सुगंध है और मलय से निकलने वाली खुशबू देशवासियों के तन – मन को सुगंधित कर देती है।

शब्दों के रूप

(क) नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए और उत्तर दें–

"जगमग छटा निराली,
पग पग छहर रही हैं'

इन पंक्तियों में 'पग' शब्द दो बार आया है। इसका अर्थ है 'हर पग' या 'हर कदम' पर। इस प्रकार शब्दों के ऐसे ही कुछ जोड़े नीचे दिए गए हैं। इनके अर्थ लिखिए –

- घर-घर –
- बाल-बाल –
- साँस-साँस –
- देश-देश –
- पर्वत-पर्वत –

उत्तर –

- घर-घर – **प्रत्येक घर**
- बाल-बाल – **थोड़े-थोड़े, बिल्कुल थोड़ा**
- साँस-साँस – **हर साँस**
- देश-देश – **प्रत्येक देश**
- पर्वत-पर्वत – **प्रत्येक पर्वत**

(ख) "वह युद्ध – भूमि मेरी
वह युद्ध – भूमि मेरी"

कविता में 'भूमि' शब्द में अलग – अलग शब्द जोड़कर नए – नए बनाइए और उनके अर्थ पता कीजिए –
(संकेत – तप देव, भारत जन्म कर्म कर्त्तव्य, मरु. मलय मल्ल, यज्ञ रंग रण, सिद्ध आदि)

उत्तर – तपोभूमि, देवभूमि, जन्मभूमि, रंगभूमि, रणभूमि, यज्ञभूमि।

तपोभूमि – ऐसी भूमि जहाँ तपस्या की जाती है।
देवभूमि – देवताओं की भूमि
जन्मभूमि – वह देश या स्थान जहाँ किसी का जन्म हुआ हो।
रंगभूमि – उत्सव मनाने वाला स्थान।
रणभूमि – युद्ध या लड़ाई का मैदान।
यज्ञभूमि – यज्ञ क्षेत्र, यज्ञ करने के लिए नियत स्थान।

egyanarchive

थोड़ा भिन्न, थोड़ा समान

नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए –

"जग को दया सिखाई,
जग को दिया दिखाया।"

'दया' और 'दिया' में केवल एक मात्रा का अंतर है, इसी तरह ऐसे शब्दों की सूची बनाइए जिनमें केवल एक मात्रा का अंतर हो, जैसे घड़ा – घड़ी।

उत्तर –

- कमल – कमाल
- पड़ा – पीड़ा
- राज़ – राज़ी

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) इस कविता में भारत का सुंदर वर्णन किया गया है। आप भारत के किस स्थान पर रहते हैं? वह स्थान आपको कैसा लगता है? उस स्थान की विशेषताएँ बताइए।
(संकेत – प्रकृति, खान – पान, जलवायु, प्रसिद्ध स्थान आदि)

उत्तर – (क) मैं भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा शहर में रहता हूँ जहाँ पर ताजमहल स्थित है। यह स्थान मुझे अच्छा लगता है। आगरा का पेठा अधिक प्रसिद्ध है। यहाँ पर सभी मौसम का आनन्द लिया जा सकता है।

(ख) अपने परिवार के किसी सदस्य या मित्र के बारे में लिखिए। उसकी कौन – कौन सी बातें आपको अच्छी लगती हैं?

उत्तर – मुझे मेरी माँ अच्छी लगती है क्योंकि वह सभी से स्नेह करती है और सभी को सेवा करती हैं। वह मेरे लिए स्वादिष्ट भोजन भी बनाती है।

वंशी – से

"श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता"

'वंशी' बाँसुरी को कहते हैं। नीचे फूंक कर बजाए जाने वाले कुछ वाद्यों के चित्र दिए गए हैं। इनके नाम शब्द – जाल से खोजिए और सही चित्र के नीचे लिखिए।

उत्तर –

1. अलगोजा
2. बीन
3. बांसुरी
4. सींगी
5. शहनाई
6. नाद
7. भंकोरा
8. शंख

वाद्यों के नामों का शब्द-जाल

श	ह	ना	ई	बाँ
अ	भं	द	शं	सु
ल	को	स्व	ख	री
गो	रा	र	बी	न
जा		म	सीं	गी

egyanarchive

आज की पहेली

नीचे कुछ अक्षर दिए गए हैं। आप इन्हें मिलाकर अक्षरों को आगे – पीछे करके कोई सार्थक शब्द बनाइए।

उत्तर –

क्रम संख्या	अक्षर	शब्द
1.	स म ह ग र	महासागर
2.	ह म य ल	हिमालय
3.	ग ग	गंगा
4.	भ त र	भारत
5.	ल क य	कोयल
6.	व न प	पवन

साझी समझ

आपने 'मातृभूमि' कविता और 'वंदे मातरम्' में पता लगाइए कि इन दोनों में कौन – कौन सी बातें एक जैसी है और कौन-कौन सी बातें कुछ अलग है?

उत्तर – 'मातृभूमि' कविता और 'वंदे मातरम्' गीत दोनों में मातृभूमि (भारत देश की भूमि) की प्रशंसा करते हुए, उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त की है।

egyanarchive